

निर्विकार पथ शान्ति दूत बन, इस धरती पर आया है
सबके दुखड़े दूर करे, विधियों का स्वजान लाया है ॥२॥
महिमा मेरी माँ की कलयुग में आँकी
महिमा रेवा की है जगसे बाँकी ॥२॥

① खान-पान की दौड़ बुराई और बना जीवन अपना
माँ की किरपा से ही होगा सोचा तूने जो सपना ॥३॥
भाग जगे हैं उनके बन्दे जिसने पथ अपनाया है
सबके दुखड़े दूर - - - निर्विकार पथ - - -

② महिमा मेरी - - - महिमा रेवा की - - -
मन के भीतर जो कचरे हैं इनको दूर हटाओ तुम
तेरे बस की बात नहीं, अब माँ की शरण में आओ तुम ॥२॥
विधियाँ हट्ट डट्ट फल देती हैं जिनको तू विसराया है
सबके दुखड़े दूर - - - निर्विकार पथ - - -
महिमा मेरी - - - महिमा रेवा की - - -

③ राग द्वेष सब दूर भोगे और हटेगी बीमारी
हरा भर होगा तेरा जीवन, भाग जायेगी लाचारी ॥२॥
मन में तू शंका न लाना यही तेरी माँ को माया है
सबके दुखड़े दूर - - - निर्विकार पथ - - -
महिमा मेरी - - - महिमा रेवा की - - -

- ④ कोई नहीं है सुनने वाला ^{ssss} आखिर कब तक खेयेगा
 दिन उर रात की चिन्ता में तू-जीवन अपना खेयेगा ॥३॥
 मैं की बात मान ली जिसने हो ^{ssss} ॥३॥ जीवन सफल बनाया है ^{ssss} ॥३॥
 सबके दुखड़े दूर - - - - - निविकार पथ - - - - -
 महिमा मेरी - - - - - महिमा रेवा की - - - - -
- ⑤ निविकारता का संदेश ध्यान से सुन लेओ वन्दे
 खाली हाथ भटकते फिरते, बने हुए बेहरे अंधे ॥३॥
 जाग जरा सुन " श्री बाबा श्री " की ^{ssss} ^{॥३॥} मैं की अद्भुत माया है ^{ssss} ^{॥३॥}
 सबके दुखड़े दूर - - - - - निविकार पथ - - - - -
 महिमा मेरी - - - - - महिमा रेवा की - - - - -